विश्व मृदा दिवस- पूसा संस्थान की पहल

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली द्वारा दिनांक दिसम्बर 5, 2015 को विश्व मृदा दिवस के अवसर पर संस्थान के दत्तक निक्रा ग्राम-मुमताजपुर (जिला-गुडगाँव, हरियाणा) में एक वैज्ञानिक-कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया पूसा चेतना कृषक क्लब के अध्यक्ष श्री तुलसी राम ने वैज्ञानिकों को अवगत कराया कि वर्त्तमान में बढ़ती हुई लवणता तथा क्षार की समस्या के कारण बीज अंकुरण, पौध बढ़वार तथा गुणवत्तायुक्त उत्पादन में ह्रास हो रहा है निक्रा परियोजना के प्रसार गतिविधि से गेहूं में जीरो टिलेज व रेज्ड बेड बीजाई, धान की सीधी बीजाई, फसल चक्र में मूंग फसल का अधिग्रहण, फब्बारा व् ड्रीप सिंचाई पद्दति, जैविक व् हरी खाद, लीफ कलर चार्ट, फरोमोंन ट्रैप, मलिचंग आदि तकनीकी के उपयोग से मृदा, जल व पर्यावरण संरक्षण में सफलता प्राप्त हुई है

निक्रा परियोजना के प्रमुख ड़ा. हिमांशु पाठक तथा निक्रा ग्राम के समन्वयक ड़ा. रवींद्र पड़ारिया सहित पूसा संस्थान के वैज्ञानिकगण (ड़ा. संजय बंद्योपाध्याय, ड़ा. मनोज खन्ना, ड़ा.तपस दास, ड़ा. तपन, ड़ा. विनय सहगल, ड़ा. परिमल सिन्हा, ड़ा. राजीव कौशिक, ड़ा. श्रवण कुमार सिंह, ड़ा. वनीता जैन व ड़ा. विदिशा) एवं निक्रा ग्राम व अन्य सेटेलाइट गावों के कृषकों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया तथा मृदा संरक्षण व मृदा उर्वरता की उपयुक्त तकनीकों के बारे में चर्चा की गयी कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड व मिट्टी परीक्षण के अनुसार खाद व उर्वरक प्रयोग करने के लिए आव्हान किया गया इस अवसर पर ड़ा. हिमांशु पाठक ने स्कूल के छात्रों को खाद्य सुरक्षा एवं जलवायु परिवर्तन विषय पर व्याख्यान देकर अवगत कराया I